बढ़ते चारित्रिक प्रदूषण को समाप्त करने का संकल्प लें नारी–दादी जानकी

आबूरोड, 3 नवम्बर। चार हजार भी ज्यादा सम्मेलन में भारत तथा नेपाल से आयी महिलाओं को सम्बोधित करते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी दादी जानकी ने कहा कि आज समाज में चारित्रिक प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। इसकी ज्यादातर शिकार महिलायें हो रही है। इस बढ़ते चारित्रिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए नारी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे आना होगा। वे शान्तिवन में आयोजित राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी।

आगे दादीजी ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने नारियों को अबला से सबला बनाकर पूरे विश्व में सम्मान दिलाने का महान कार्य किया आज पूरे विश्व में पहली ऐसी संस्था है जिसका संचालन महिलायें कर रही है और लोगों को श्रेष्ठ बनाने का महान कार्य कर रही हैं। नारी ही दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी की रूप है। नारी को अपनी शक्ति पहचान कर देश का नवनिर्माण करने महान कार्य करने की क्रान्ति का सूत्रपात करना चाहिए। आज जो भी दूषित वातावरण बन रहे हैं, उसके जिम्मेदार हम स्वयं है। इसलिए हमें ही इसको दूर करने का कार्य करना होगा। ममता की मूरत नारी को अपनी शक्ति स्वरूप को धारण कर अत्याचार और भ्रष्टाचार का नाश कर एक स्वर्णिम युग की स्थापना में सहयोगी बनना चाहिए।

वाशी नवी मुम्बई की चेयरमैन अन्जनी भोयर ने कहा कि नारी केवल एक नारी नहीं बल्कि देश और समाज की अधिष्ठात्री है। जब हम अपने देश और समाज के बारे में सोचेंगे तभी हमारे परिवार और देश का विकास होगा। आज महिलायें पुरूषों से कन्धे से कन्धा मिलाकर चल रही है फिर भी वे शोषण का शिकार हो रही हैं। नारी शक्ति को अपनी इस दुर्बलता को दूर करना होगा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय इस बात का प्रमाण है कि महिलायें देश ही नहीं पूरे विश्व में आध्यात्मिक और नये समाज की स्थापना की नीवं रख सकती हैं। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक रसिया में भारतीय संस्कृति का पताका फहराने वाली ब्रह्माकुमारी चक्रधारी ने कहा कि आज विनाश के मुहाने पर जा रही मानवीय दुनियां को संकट से उबारने में महिलाओं को आगे आना होगा। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जिस तरह से मानवीय संवेदनायें समाप्त होती जा रही है यदि ऐसे ही बढ़ता रहा तो एक दिन मनुष्य ही मनुष्य को खाने लगेगा। इस बढ़ रही आसुरी प्रवृति को समाप्त करना होगा। इसके लिए राजयोग एक कारगर माध्यम है जिससे हमारे अन्दर बुराईयों से लड़ने की शक्ति आती है।

अमन भारती मैगेजिन की सम्पादक गांधीनगर से आयी डा0 मीना पण्डया ने कहा कि हम जिस चौराहे पर खड़े है यदि यहाँ से हमारे रास्ते का चयन ठीक नहीं हुआ तो आने वाले समय में हम काल के ग्रास में चले जायेंगे। आज महिलाओं की भूमिका को उच्च स्थान प्राप्त हुआ हैं उसके बाद भी आज महिलाओं को सम्मान का दर्जा नहीं मिल रहा है। नारी को अपनी शक्ति को पहचानना होगा। जोधपुर से आयी रोटेरियन राज गुप्ता ने कहा कि महिला केवल एक माँ नहीं बल्कि देश और समाज की निर्माता है। आज भी सामाजिक कुरीतियों की शिकार महिलायें हो रही हैं। आज भी राजस्थान में लड़के और लड़कियों की शादी केवल छ. महीने की उम्र में ही कर दी जाती है। इसके लिए जागरूकता की आवश्यकता है।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0कु0 मोहिनी ने उपस्थित सम्मेलन में सहभागी महिलाओं को ईश्वरीय शक्ति की अनुभूति करायी तथा कार्यक्रम का संचालन महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजक ब्र0 कु0 डा0 सविता ने किया। ब्रह्माकुमारीज संस्था रसिया सेवाकेन्द्रों की कोआर्डिनेटर ब्र0 कु0 सुधा ने भी सम्मेलन को सम्बोधित किया। यह सम्मेलन तीन दिन चलेगा जिसमें महिलाओं पर होने वाली अनेक समस्याओं की समाधान पर चर्चा होगी।